vinetur

Beer Institute के 2027 एजेंडे में नशीले हेम्प उत्पादों के नियम और एल्युमिनियम की लागत शीर्ष पर

व्यापार संगठन के मुताबिक, THC पेय और कैन की कीमतों पर नीतिगत टकराव आने वाले साल में ब्रुअर्स को प्रभावित कर सकते हैं

मंगलवार, 17 नवंबर 2026



Beer Institute आने वाले साल के लिए नशीले हेम्प उत्पादों के नियमन और एल्युमिनियम की ऊंची कीमतों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। इससे पता चलता है कि वॉशिंगटन में बीयर उद्योग के प्रमुख व्यापार संगठनों में से एक को किन मुद्दों पर नीतिगत दबाव बढ़ने की आशंका है।

समूह के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी ब्रायन क्रॉफर्ड ने 12 नवंबर को वॉशिंगटन में Beer Institute की वार्षिक सदस्यता बैठक में यह एजेंडा पेश किया, Brewbound के अनुसार। उद्योग प्रकाशन ने सोमवार, 16 नवंबर को खबर दी कि क्रॉफर्ड ने नशीले हेम्प उत्पादों और एल्युमिनियम की कीमतों को आने वाले साल में संगठन के प्रमुख मुद्दों के रूप में रेखांकित

किया।

ये प्राथमिकताएं ऐसी दो चिंताओं को दर्शाती हैं जो बीयर से आगे बढ़कर पेय बाजार के व्यापक क्षेत्र को प्रभावित करती हैं। THC वाले पेय समेत हेम्प से बने नशीले उत्पाद संघीय और राज्य स्तर के नियमों के बिखरे हुए ढांचे के बीच तेजी से बढ़े हैं। बीयर निर्माताओं और अन्य पेय कंपनियों के लिए यह प्रतिस्पर्धा से जुड़ा मुद्दा होने के साथ-साथ नियमन का भी सवाल है, क्योंकि उत्पादों के वर्गीकरण और बिक्री की जगह के आधार पर उन पर बहुत अलग मानक लागू हो सकते हैं।

पेय अल्कोहल कंपनियों के पारंपरिक बीयर से बाहर विकास के रास्ते तलाशने के साथ, नियमों का यह असमान परिदृश्य ब्रुअर्स के लिए और अहम हो गया है। कुछ उत्पादक हेम्प से बने पेयों के कारोबार में उतर चुके हैं या ऐसा करने की संभावनाएं तलाश रहे हैं, जबकि अन्य का तर्क है कि नशीले उत्पादों पर सुरक्षा, लेबलिंग और आयु-सीमा से जुड़े अधिक स्पष्ट नियम लागू होने चाहिए। Beer Institute का इस मुद्दे को प्राथमिकता देना दर्शाता है कि संगठन को नशीले हेम्प पर बहस के विधायिकाओं और नियामकों के बीच जारी रहने की उम्मीद है।

एल्युमिनियम की कीमतों का मुद्दा अलग है, लेकिन इसका ब्रुअरी की लागत पर सीधा असर पड़ता है। अमेरिका के बीयर कारोबार के बड़े हिस्से के लिए कैन पैकेजिंग का प्रमुख माध्यम हैं, खासकर क्राफ्ट ब्रुअर्स और व्यापक खुदरा वितरण वाले बड़े उत्पादकों के लिए। एल्युमिनियम की कीमतें बढ़ने पर, या संबंधित व्यापार और आपूर्ति-श्रृंखला के दबावों से कैन की लागत ऊपर जाने पर, ब्रुअरीज के मार्जिन घट सकते हैं और कीमत तय करना अधिक कठिन हो सकता है। इसका असर पेय क्षेत्र के व्यापक कारोबार पर भी पड़ सकता है, क्योंकि बीयर, हार्ड सेल्टज़र, रेडी-टू-ड्रिंक कॉकटेल और गैर-अल्कोहलिक पेय बनाने वाले उत्पादक बड़े पैमाने पर कैन पैकेजिंग का इस्तेमाल करते हैं।

बैठक की उपलब्ध सार्वजनिक रिपोर्टिंग के आधार पर, Beer Institute ने इन दोनों प्राथमिकताओं से जुड़ी विशिष्ट मांगों वाला कोई विस्तृत सार्वजनिक नीतिगत खाका जारी नहीं किया। हालांकि, क्रॉफर्ड की टिप्पणियां उन्हें समूह की लॉबिंग और पैरवी के केंद्र में रखती हैं, क्योंकि कंपनियां नशीले हेम्प के नियमों और विनिर्माण लागतों पर बहस के एक और साल की तैयारी कर रही हैं।

यह संगठन लंबे समय से वॉशिंगटन में प्रमुख ब्रूइंग हितों का प्रतिनिधित्व करता आया है। इसकी प्राथमिकताएं उन मुद्दों का उपयोगी संकेत दे सकती हैं जिन्हें उद्योग परिचालन स्थितियों को आकार देने की सबसे अधिक संभावना वाला मानता है। इस मामले में, ध्यान नियामकीय प्रतिस्पर्धा और जरूरी उत्पादन लागतों के मेल पर है : एक ओर, हेम्प से बने नशीले पेय ऐसे नियमों के तहत बिक रहे हैं जो अल्कोहल पर लागू नियमों से काफी अलग हो सकते हैं; दूसरी ओर, बीयर को दुकानों तक पहुंचाने के लिए जरूरी एक प्रमुख सामग्री की लागत है।

यह मेल उत्पादकों के लिए अहम है, क्योंकि इसका असर मांग और मार्जिन, दोनों पर पड़ता है। यदि हेम्प से बने पेय ढीले या असंगत नियमों के तहत बढ़ते रहे, तो बीयर कंपनियां अलग-अलग श्रेणियों में अधिक तुलनीय मानकों की मांग तेज कर सकती हैं। यदि एल्युमिनियम महंगा बना रहता है, तो उपभोक्ता मांग स्थिर होने पर भी ब्रुअर्स के पैकेजिंग बजट पर दबाव जारी रह सकता है। Beer Institute का एजेंडा संकेत देता है कि वॉशिंगटन में उद्योग 2027 की ओर बढ़ते हुए इन दोनों मुद्दों को कारोबारी माहौल के लिए केंद्रीय मानता है।